



अभ्युत्थानम्

प्रोफेसर आलोक कुमार राय
माननीय कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय



SANSKRITIKI



विश्वविद्यालय परिवार द्वारा अपने माननीय कुलपति महोदय के द्वितीय अवसर प्राप्त होने का स्वागत एवं अभिनंदन

त्रैगुणयश्च महाशूरमं ब्रह्मा विष्णु महेश्वरमं ।
 महापापहरं देवं तं सूर्यं प्रणमाम्यहं ।
 बृहितं तेजः पुंजं च वायु आकाशमेव च ।
 प्रभुत्वम सर्वलोकानां तं सूर्यं प्रणमाम्यहं

उत्तरायण में प्रविष्ट होते भगवान भास्कर की अभ्यर्थना के साथ ही नवीन सांस्कृतिकी के प्रथम कार्यक्रम 'अभ्युत्थानमः' १४ जनवरी २०२३ को मालवीय सभागार में विश्वविद्यालय के पूरे परिवार के साथ बड़ी भव्यता पूर्ण मनाया गया । सूर्य का अर्थ ही है जो सर्वप्रेरक, सर्वप्रकाशक, सर्वप्रवर्तक, सर्व कल्याणकारी होने से सब का अभ्युदय करे। यही 'अभ्युत्थानमः' का भी मूल भाव है।

'अभ्युत्थानमः' का अर्थ है अभ्युदय, समृद्धि, उत्कर्ष, उत्थान तथा किसी के स्वागत के लिए उठ खड़ा होना। आज इस पूरे विश्वविद्यालय परिवार ने समस्त कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं के साथ अपने माननीय कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय को उनके कुलपति बनने का द्वितीय अवसर प्राप्त होने पर हर्षोल्लास के साथ उनका स्वागत और अभिनंदन किया और इसी के साथ ही २९ जनवरी २०२३ को आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह के साप्ताहिक कार्यक्रमों की प्रथम लड़ी के रूप में इस समारोह का आहवाहन किया।





जल भरो कार्यक्रम के द्वारा जल संरक्षण का संदेश



"नमो नमस्ते स्फटकिप्रभाय सुश्वेतहाराय सुमंडगलाय सुपाशहस्ताय
झषासनाय जलाधनिथाय नमो नमस्ते

ॐ अपां पतये वरुणाय नमः"

वरुण देव को समर्पित मंत्रों के मंत्रोच्चार के मध्य माननीय कुलपति प्रो आलोक कुमार राय, कुलसचिव डॉक्टर संजय मेधावी सांस्कृतिकी निर्देशिका प्रो मधुरिमा लाल ने जल भरो कार्यक्रम के द्वारा जल संरक्षण कर प्रकृति को नमन किया इस कार्यक्रम की रूपरेखा और निर्देशन संस्कृत एवं प्राकृत भाषा विभाग की डॉ भुवनेश्वरी भारद्वाज का था तथा जल भरो कार्यक्रम के समय मंत्रोच्चार, ओरिएंटल संस्कृत विभाग के डॉ श्यामलेश और उनके शिष्यों ने किया गया।





माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मिलेट संवर्धन योजना का ध्यान रखते हुए डॉक्टर मीरा सिंह ने मिलेट केक माननीय कुलपति जी से कटवा कर अपने स्टॉलज़ के प्रांगण का उद्घाटन किया । प्रोफ़ेसर मधुरिमा प्रधान ने काउन्सलिंग एवं गाइडेन्स सेल के स्टॉल में बच्चों की समस्यायो के समाधान हेतु एवं मनोवैज्ञानिक उपायों के माध्यम से बड़ी रुचिकर झलकियाँ प्रदर्शित की उनके ग्रीवान्स सेल के स्टॉल में अनेको छात्र छात्राओं ने अपनी समस्याओं का निवारण भी किया । उनके ग्रीवान्स सेल के स्टॉल में अनेको छात्र छात्राओं ने अपनी समस्याओं का निवारण भी किया ।



विभिन्न स्टॉलज़ की अद्भुत झलकियाँ



★ कुलगीत ★





गुरु वंदना

डॉ सुनीता श्रीवास्तव ने कार्यक्रम को सभी उपस्थित गुरुओं के चरणों में गुरुवंदन से अर्पित किया।

गुरुवंदना का संगीत निर्देशन, लिब्रेट्स एवं गायन प्रस्तुत किया प्रोफेसर मधुरिमा लाल ने, जिसपर छात्राओं ने दीपों की लड्डियों के साथ कोमल नृत्य द्वारा मंत्र मुग्ध कर लिया।

वृत्तचित्र तीन वर्ष एक झरोखा



इस वृत्तचित्र का निर्माण प्रो बबीता जायसवाल के निर्देशन में डॉ प्रतिभा शुक्ला द्वारा किया गया। इसमें विगत तीन वर्ष में कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के निर्देशन में विश्वविद्यालय ने प्रगति की जिन नई ऊंचाइयों को छुआ और NAAC A++ प्राप्त करने वाला राज्य का प्रथम विश्वविद्यालय बना, उसकी झलक प्रस्तुत की गई।



गायन और अभिनय का संगम

हैप्पी थिंकिंग लैब , मनोविज्ञान विभाग और हिंदी विभाग



हैप्पी थिंकिंग लाइफ की निदेशक प्रो मधुरिमा प्रधान व उनके समूह ने हैप्पी थिंकिंग लैब के उद्देश्य को गायन के माध्यम से प्रस्तुत किया। मनोविज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अर्चना शुक्ला और डॉक्टर मेघा के निर्देशन में एक लघु नाटिका प्रस्तुत की जिसमें विशेष रूप से विगत तीन वर्षों में लखनऊ विश्वविद्यालय में हुए नवाचारों की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया। हिंदी विभाग के डॉ कृष्णा जी श्रीवास्तव ने स्वरचित काव्य पाठ किया।



स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन का निवास

शारीरिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों ने डॉ शशि कनौजिया के निर्देशन में मार्शल आर्ट और जूडो के विभिन्न कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया और अंत में एक वृहद मानव पिरामिड भी निर्मित किया।



(नवीन परिसर लखनऊ विश्वविद्यालय) भी रहा साथ

डॉक्टर सतीश पांडे पांडे के नेतृत्व में लखनऊ विश्वविद्यालय नवीन परिसर के विधि और अभियांत्रिकी के छात्र-छात्राओं द्वारा रोचक लघु नाटिका प्रस्तुत की गई जिसमें विद्यार्थियों ने माननीय कुलपति महोदय के रूप से विश्व विद्यालय की प्रगति एवं उपलब्धियों को प्रस्तुत किया।





कुलपति आलोक कुमार राय का माल्यार्पण द्वारा अभिनंदन



सांस्कृतिकी परिवार ने अपनी निदेशक प्रोफ़ेसर मधुरिमा लाल के नेतृत्व में लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफ़ेसर आलोक कुमार राय का 35 किलो फूलों की माला द्वारा अभिनंदन किया । सांस्कृतिक की निर्देशिका द्वारा माननीय कुलपति महोदय को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया । पश्चिम विभाग द्वारा 25 किलो फूलों की माला से कुलपति महोदय को मुबारकबादी दी गई ।



सेंट्रल प्लेसमेंट सेल



डॉक्टर हिमांशु पांडेय के कुशल निर्देशन में डॉक्टर लाल के सहयोग से अति उत्कृष्ट प्लेसमेंट प्राप्त करने वाले कुछ छात्रों के अभिभावकों को माननीय कुलपति द्वारा सम्मानित किया गया एवं ६० उत्तम पैकेज प्राप्त करने वाले छात्रों को माननीय कुलपति जी द्वारा प्रमाण पत्र दिए गए।

